महत्वपूर्ण/शीर्ष प्राथमिकता

संख्या- 114 /68-5-2020

प्रेषक,

रेणुका कुमार,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1- मण्डलायुक्त,
समस्त मण्डल, उ0प्र0।

2- जिलाधिकारी
समस्त जनपद, उ0प्र0।

बेसिक शिक्षा अनुभाग-5 लखनऊ: दिनांक: 28 फरवरी, 2020

विषय- **"मिशन प्रेरणा " के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अवगत कराना है कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा बेसिक शिक्षा के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर महत्वाकांक्षी "मिशन प्रेरणा" का शुभारम्भ एवं "प्रेरणा तकनीकी फ्रेमवर्क" का उद्घाटन किया गया है, जिसके प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शासनादेश संख्या-783/68-5-2019, दिनांक 02 सितम्बर,2019 द्वारा एवं समय-समय पर विस्तृत निर्देश भी दिये गये हैं।

"मिशन प्रेरणा" के प्रभावी अनुश्रवण हेतु राज्य, मण्डल एवं जनपद स्तर पर निम्नवत् टास्क फोर्स का गठन किया जाता है:-

राज्य स्तरीय टास्क-फोर्स

1.	मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन	-	अध्यक्ष
2.	अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन	-	उपाध्यक्ष
3.	प्रमुख सचिव, पंचायती राज, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
4.	प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
5.	प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
6.	प्रमुख सचिव, नगर विकास, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
7.	सचिव, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0 शासन	-	सदस्य
8.	महानिदेशक, स्कूल शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य/सचिव
9.	राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य
10.	निदेशक, मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण, उ0प्र0	-	सदस्य
11.	राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
12.	निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0	-	सदस्य
13.	निदेशक, रा0शै0अ0प्र0प0, उ0प्र0	-	सदस्य

Searcheasily on www.bhartiyashasanadesh.org
http://shasanadesh.up.gov.in/e/intra/UserMenu.aspx

मण्डल स्तरीय टास्क-फोर्स

1.	मण्डलायुक्त	-	अध्यक्ष
2.	अपर निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य	-	सदस्य
3.	सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी	-	सदस्य
4.	उप निदेशक, पंचायती राज विभाग	-	सदस्य
5.	उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी	-	सदस्य
6.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य	-	सदस्य
7.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला कार्यक्रम अधिकारी (आई0सी0डी0एस0)	-	सदस्य
8.	उप निदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण	-	सदस्य
9.	मण्डल मुख्यालय के जनपद के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
10.	मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बे0)	-	सदस्य/सचिव

जनपद स्तरीय टास्क-फोर्स

1.	जिलाधिकारी	-	अध्यक्ष
2.	मुख्य विकास अधिकारी	-	उपाध्यक्ष
3.	मुख्य चिकित्साधिकारी	-	सदस्य
4.	प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान	-	सदस्य
5.	जिला पंचायत राज अधिकारी	-	सदस्य
6.	परियोजना निदेशक, डूडा	-	सदस्य
7.	जिला खाद्य विपणन अधिकारी	-	सदस्य
8.	जिला आपूर्ति अधिकारी	-	सदस्य
9.	जिला कार्यक्रम अधिकारी (आई0सी0डी0एस0)	-	सदस्य
10.	जिला परिवीक्षा अधिकारी	-	सदस्य
11.	जिला समाज कल्याण अधिकारी	-	सदस्य
12.	जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी	-	सदस्य
13.	जिला सूचना विज्ञान अधिकारी	-	सदस्य
14.	जिला युवा कल्याण अधिकारी	-	सदस्य
15.	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी	-	सदस्य/सचिव

अनुश्रवण एवं समीक्षा

"मिशन प्रेरणा" के अन्तगत निर्धारित लक्ष्यों की सम्प्राप्ति हेतु निम्नानुसार कार्य निर्धारित किये जाते हैं-

1. राज्य स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -

- टास्क-फोर्स की त्रैमासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
- मिशन प्रेरणा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना।

Searcheasily on www.bhartiyashahadesh.org
http://shasanadesh.up.gov.in/go/intra/UserMenu.aspx

- मिशन प्रेरणा के क्रियान्वयन हेतु नीतिगत निर्णय लेना एवं मिशन के परिणामों का जनपदवार विश्लेषण करते हुए उत्कृष्ट कार्य करने वाले जनपदों को प्रोत्साहित किया जाना।
- आवश्यकतानुसार सम्बन्धित इकाई को गति प्रदान करने हेतु निर्देशित करना।

2. **मण्डलीय स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -**

- टास्क-फोर्स की मासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
- "मिशन प्रेरणा" की प्रगति हेतु समीक्षा एवं निर्धारित लक्ष्य की सम्प्राप्ति हेतु कार्ययोजना एवं अनुपालन।
- प्रेरणा तकनीकी डैशबोर्ड पर प्रदर्शित इन्डीकेटर्स की मॉनीटरिंग।
- सपोर्टिव सुपरविजन डैशबोर्ड पर प्रगति की मॉनीटरिंग।
- "मिशन प्रेरणा" के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं की पहचान एवं उनका समय से निराकरण कराना।
- निर्धारित समयावधि में सम्बन्धित जनपद एवं मण्डल को प्रेरक जनपद/मण्डल का लक्ष्य प्राप्त किया जाना।

3. **जनपद स्तरीय टास्क-फोर्स के कार्य -**

- टास्क-फोर्स की मासिक बैठकें आहूत कराना एवं समिति द्वारा लिये गये निर्णयों का अनुपालन सुनिश्चित कराना।
- मिशन प्रेरणा की प्रगति सी0एम0-डैशबोर्ड "दर्पण" पर प्रदर्शित करना।
- प्रेरणा तकनीकी डैशबोर्ड पर प्रदर्शित इन्डीकेटर्स की मॉनीटरिंग।
- सपोर्टिव सुपरविजन डैशबोर्ड पर प्रगति की मॉनीटरिंग।
- त्रैमासिक परीक्षाओं का पारदर्शी एवं सफल क्रियान्वयन।
- परीक्षा के आधार पर विद्यालयवार रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाना एवं बच्चों का रिपोर्ट कार्ड अभिभावकों को उपलब्ध कराना।
- ए0आर0पी0 के माध्यम से निर्धारित सपोर्टिव सुपरविजन एवं 03 हस्तपुस्तिकाओं को कक्षा शिक्षण प्रक्रिया में लागू कराया जाना।
- 'दीक्षा' ऐप का प्रचार-प्रसार एवं शिक्षकों से शिक्षण सामग्री का शिक्षण कार्य में प्रभावी उपयोग कराया जाना।
- शिक्षकों को गुणवत्तापरक प्रशिक्षण प्रदान कराना।
- कक्षा-कक्ष का वातावरण सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिये एवं बच्चों में अपेक्षित अधिगम स्तर प्राप्त करने हेतु टी0एल0एम0, वर्कबुक, प्रिन्टरिच मैटीरियल का वितरण एवं उपयोग सुनिश्चित कराना।
- "प्रेरणा-तालिका" के माध्यम से विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता का अनुश्रवण करना।
- स्वतंत्र बाह्य संस्था के माध्यम से विद्यालयों का सत्यापन कराते हुए विकास खण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जाना।
- प्रत्येक विद्यालय के कक्षा-कक्षों में पुस्तकालय/लाइब्रेरी कार्नर की स्थापना।

Search easily on www.bharatiyashamadesh.org
http://shasanadesh.up.gov.in/go/intra/UserMenu.aspx

- खण्ड शिक्षा अधिकारी/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्धारित समयावधि में अपने विकास खण्ड/जनपद द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स प्राप्त करना तथा थर्ड पार्टी असेसमेण्ट में प्रेरणा विकास खण्ड/प्रेरणा जनपद के रूप में घोषित कराना।

मिशन प्रेरणा का लक्ष्य-

मार्च, 2022 तक 80 प्रतिशत बच्चों तथा प्रत्येक विकास खण्ड द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स प्राप्त करते हुए 'प्रेरक विकास खण्ड', 'प्रेरक जनपद' एवं 'प्रेरक मण्डल' का लक्ष्य प्राप्त किया जाना।

मिशन प्रेरणा के घटक-

''मिशन प्रेरणा'' के अन्तगत निर्धारित लक्ष्यों की सम्प्राप्ति हेतु मुख्य घटक निम्नवत हैं-

1. शिक्षा के अधिगम स्तर में वृद्धि हेतु नियमित अन्तराल पर त्रैमासिक परीक्षाओं के माध्यम से छात्र-छात्राओं के लर्निंग आउटकम का आंकलन किया जाना।
2. परीक्षा के आधार पर विद्यालयवार रिपोर्ट कार्ड तैयार किया जाना एवं बच्चों का रिपोर्ट कार्ड अभिभावकों को प्रेषित किया जाना।
3. एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा सपोर्टिव सुपरविजन के माध्यम से शिक्षकों की क्षमता-वृद्धि हेतु प्रोत्साहन एवं उत्साहवर्धन करना।
4. कक्षा-कक्ष का वातावरण सुधारने एवं आकर्षक बनाने के लिये टी0एल0एम0, वर्कबुक, प्रिन्टरिच मैटीरियल आदि उपलब्ध कराना।
5. ''प्रेरणा-तालिका'' के माध्यम से विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता का अनुश्रवण करना।
6. स्वतंत्र बाह्य संस्था के माध्यम से विद्यालयों का सत्यापन कराते हुए विकास खण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जाना।
7. टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देना, यथा-दीक्षा ऐप, स्मार्ट क्लासेज आदि।
8. प्रत्येक विद्यालय के कक्षा-कक्षों में पुस्तकालय/लाइब्रेरी कार्नर की स्थापना।
9. 'निष्ठा' प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत समस्त शिक्षकों को प्रशिक्षित करना।

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु निम्नानुसार रूपरेखा तैयार की गई है जिसके अनुसार अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित की जानी है-

1- नियमित परीक्षायें-

छात्र-छात्राओं के लर्निंग आउटकम्स के आधार पर विषयवार अधिगम आंकलन एवं मूल्यांकन हेतु प्रत्येक त्रैमास ''स्कूल लेवल असेसमेन्ट टेस्ट'' आयोजित कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। आयोजित की गयी परीक्षा का रिपोर्ट कार्ड प्रत्येक छात्र-छात्रा के अभिभावक को प्रेषित किया जायेगा एवं प्रत्येक विद्यालय की ग्रेडिंग कराते हुए स्कूल रिपोर्ट कार्ड खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से प्रधानाध्यापकों को प्रेषित किया जायेगा, जिससे कि शैक्षणिक गुणवत्ता में निरन्तर सुधार किया जा सके।

2- फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स एवं मूल्यांकन

कक्षा-1 से 5 के बच्चों में गणित एवं भाषा में अपेक्षित अधिगम स्तर सुनिश्चित करने के लिए मिशन प्रेरणा हेतु एस0सी0ई0आर0टी, यूनीसेफ एवं विशेषज्ञ संस्थाओं के सहयोग से फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स निर्धारित किये गये है, जो संलग्नक-1 के रूप में प्रेषित किये जा रहे हैं। छात्रों का ग्रेडवार मूल्यांकन स्वतंत्र बाह्य एजेन्सी के माध्यम से निम्नवत् किया जायेगा:

<u>भाषा</u>

Search easily on www.bhartiyashanadesh.org

कक्षा-1 निर्धारित सूची में से 5 शब्द सही से पहचान लेते हैं।
कक्षा-2 अनुच्छेद को 20 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।
कक्षा-3 अनुच्छेद को 30 शब्द प्रति मिनट के प्रवाह से पढ़ लेते हैं।
कक्षा-4 छोटे अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-5 बड़े अनुच्छेद को पढ़कर 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

<u>गणित</u>

कक्षा-1 निर्धारित सूची में से 5 संख्यायें सही से पहचान लेते हैं।
कक्षा-2 जोड़ एवं घटाना (एक अंकीय) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-3 जोड़ एवं घटाना (हासिल के साथ) के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-4 गुणा के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।
कक्षा-5 भाग के 75 प्रतिशत प्रश्नों को सही हल कर पाते हैं।

प्रेरणा तालिका में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप ग्रेड कम्पीटेंसी हासिल किये जाने के उपरान्त जिस विकास खण्ड द्वारा यह अवगत कराया जायेगा कि उनके द्वारा निर्धारित फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स को हासिल कर लिया गया है, उस स्थिति में सम्बन्धित विकास खण्ड का निदेशालय स्तर से चयनित बाह्य संस्था के माध्यम से स्वतंत्र मूल्यांकन (थर्ड पार्टी एसेसमेण्ट) कराया जायेगा। मूल्यांकन के उपरान्त यदि यह पुष्टि होती है कि सम्बन्धित विकास खण्ड के बच्चों द्वारा फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स हासिल कर लिया गया है तो सम्बन्धित विकासखण्ड को प्रेरणा विकास खण्ड के रूप में घोषित किया जायेगा। इसी प्रकार जिस जनपद के समस्त विकास खण्डों द्वारा स्वतंत्र मूल्यांकन में फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स प्राप्त कर लिया जायेगा, उन्हे प्रेरक जनपद एवं क्रमानुसार प्रेरक मण्डल घोषित करते हुए प्रेरक राज्य का लक्ष्य प्राप्त किया जायेगा।

3- प्रेरणा तालिका-

फाउण्डेशन लर्निंग गोल्स को त्रैमासिक लक्ष्य के रूप में विभाजित करते हुए प्रेरणा तालिका में अंकित किया जायेगा, जिसको विद्यालयों की कक्षा में चस्पा किया जायेगा एवं इसका माहवार प्रधानाध्यापक एवं एकेडमिक रिसोर्स पर्सन द्वारा अनुश्रवण एवं प्रमाणीकरण किया जायेगा। प्रेरणा तालिका पृथक से राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा के माध्यम से समस्त जनपदों को उपलब्ध करायी जायेगी।

4- सपोर्टिव सुपरविजन-

शासनादेश द्वारा प्रत्येक जनपद के समस्त विकास खण्ड में 05 एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (ए0आर0पी0) एवं 01 डायट मेंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। तद्नुसार ए0आर0पी0 द्वारा 30 विद्यालयों का प्रतिमाह सपोर्टिव सुपरविजन किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे कि कक्षा-कक्ष के वातावरण व शैक्षिक गुणवत्ता में अपेक्षित सुधार लाया जा सके। इस प्रकार ए0आर0पी0 के माध्यम से लगभग डेढ़ लाख विद्यालयों का मासिक सपोर्टिव सुपरविजन किया जायेगा। ए0आर0पी0 के माध्यम से ही विभाग द्वारा विकसित 03 हस्तपुस्तिकाओं को क्लासरूम प्रेक्टिसेज में लागू किया जाना है।

इसके अन्तर्गत आधारशिला हस्तपुस्तिका का विकास इस बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि प्रारम्भिक स्तर पर कक्षा-01 एवं 02 में भाषा एवं गणित विषयों को किस प्रकार

Search www.bhartiyashasanadesh.org

रोचक गतिविधियों, तौर तरीकों से पढ़ाया जाय जिससे कि इन विषयों पर बच्चों की अच्छी समझ बन सके एवं विषय के प्रति रूचि उत्पन्न हो सके, जिसके फलस्वरूप बच्चों में मजबूत आधारशिला निर्मित हो सके ।

कमजोर बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये रिमीडियल टीचिंग मड्यूल (ध्यानाकर्षण) विकसित करके यथाशीघ्र अध्यापकों को प्रेषित किया जा रहा है, जिसमें 18 तकनीकियों का वर्णन है, जिससे कि बच्चों के अधिगम स्तर में अपेक्षित सुधार प्राप्त हो सके। विभिन्न शैक्षणिक पद्धतियों के लिये मैनुअल के रूप में टीचिंग कम्पेन्डियम, शिक्षण संग्रहद्ध तैयार कर शीघ्र ही शिक्षकों को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे कि शिक्षण प्रणाली को बेहतर किया जा सके।

5- 'निष्ठा' प्रशिक्षण कार्यक्रम-

शिक्षकों में क्षमता वृद्धि किये जाने हेतु प्रदेश के समस्त विकास खण्डों में निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत प्रदेश के सभी 5.75 लाख शिक्षकों, शिक्षा मित्रों एवं अनुदेशकों को चरणबद्ध ढंग से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जो मार्च, 2020 तक पूर्ण किया जायेगा, जिसमें स्कूल लीडरशिप माड्यूल भी सम्मिलित है।

6- 'दीक्षा' ऐप का प्रयोग-

दीक्षा (DIKSHA-Digital Infrastructure for knowledge sharing) ऐप के माध्यम से शिक्षकों के लिए अतिरिक्त डिजिटल शिक्षण सामग्री उपलब्ध करायी गयी है जिसके माध्यम से कक्षा शिक्षण को रूचिकर एवं प्रभावी बनाया जा सकता है। इस हेतु शिक्षकों और विद्यार्थियों के लाभ के लिए 3000 से अधिक वीडियो शिक्षण सामग्री दीक्षा ऐप पर उपलब्ध करायी गयी है। दीक्षा ऐप का जनपद स्तर पर व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाय तथा समस्त शिक्षकों को उक्त ऐप डाउनलोड करने हेतु प्रेरित किया जाय, जिससे कि शिक्षकों द्वारा ऐप पर उपलब्ध डिजटल शिक्षण सामग्री का शिक्षण कार्य में प्रभावी उपयोग किया जा सके।

7- पुस्तकालय का उपयोग-

बच्चों में पढ़ने के प्रति रूचि विकसित करने के उद्देश्य से सभी विद्यालयों में लाइब्रेरी विद रीडिंग कार्नर स्थापित करते हुये पुस्तकालय का उपयोग सुनिश्चित किया जाय।

''मिशन प्रेरणा'' को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता कार्यक्रम घोषित किया गया है। मा0 मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स द्वारा ''मिशन प्रेरणा'' का अनुश्रवण एवं समय-समय पर मण्डलों/जनपदों की समीक्षा की जायेगी। प्रेरक विकास खण्ड एवं प्रेरक जनपद घोषित होने एवं इसमें अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों एवं शिक्षकों को पुरस्कृत करने की योजना विभाग द्वारा बनायी जायेगी।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि ''मिशन प्रेरणा'' के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्य प्राप्ति हेतु उपर्युक्तानुसार अपने स्तर से अपेक्षित कार्यवाही कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: उक्तवत् ।

भवदीया,

रेणुका कुमार
अपर मुख्य सचिव।

Search easily on www.bhartiyashamadesh.org
http://upbasiceduparishad.gov.in/Mentu.aspx

संख्या एवं दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

1- स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवगतार्थ।
2- प्रमुख सचिव, पंचायती राज, उ0प्र0 शासन।
3- प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, उ0प्र0 शासन।
4- प्रमुख सचिव, महिला एवं बाल विकास, उ0प्र0 शासन।
5- प्रमुख सचिव, नगर विकास, उ0प्र0 शासन।
6- महानिदेशक, स्कूल शिक्षा,उ0प्र0।
7- राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा,उ0प्र0 लखनऊ।
8- निदेशक, मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण, उ0प्र0।
9- निदेशक (बेसिक शिक्षा), उ0प्र0।
10- निदेशक,राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषदउ0प्र0 लखनऊ।
11- समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उ0प्र0।
12- समस्त उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0।
13- समस्त मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक (बेसिक), उ0प्र0।
14- समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
15- समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0।
16- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

उमेश कुमार तिवारी
उप सचिव।

Search easily on www.bhartiyashanadesh.org
http://shasanadesh.up.gov.in/go/intra/UserMenu.aspx